

आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई चेन को बनाये रखने में व्यापारियों ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई— राज्यपाल

छोटे उद्योगों की बड़े पैमाने पर रोजगार उत्पन्न करने में अहम भूमिका— श्रीमती आनंदीबेन

लखनऊ : 31 मई, 2020

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज राजभवन से कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इण्डिया ट्रेडर्स (कैट) के देशभर से जुड़े व्यापारीगण एवं महिला उद्यमियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सम्बोधित किया। राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि बड़े कारोबारी एवं उद्यमी तथा व्यापारी भाई महिलाओं के श्रम का उपयोग कर भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में स्वदेशी आन्दोलन को एक अभियान के रूप में लें ताकि 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' सफल हो और इसके माध्यम से हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत हो। उन्होंने कहा कि कोविड-19 की विषम परिस्थितियों में व्यापारियों ने देश में आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई चेन को बनाये रखने, दान के माध्यम से भोजन और राशन वितरण जैसे कार्यों में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि छोटे और बड़े उद्योगों का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव भी अलग-अलग पड़ता है। छोटे उद्योग बड़े पैमाने पर रोजगार उत्पन्न करने में अहम भूमिका निभाते हैं। नागरिकों को रोजगार उपलब्ध होने से अर्थव्यवस्था पर उनका भार कम पड़ता है। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लॉकडाउन की विषम परिस्थितियों में 'आत्मनिर्भर भारत' और 'वोकल फॉर लोकल' पर जोर दिया है। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश सरकार ने भी स्वास्थ्य और मजदूरों की सुरक्षा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा ग्राम स्तर पर श्रमिकों के परिवार एवं महिला सदस्य को स्वयं सहायता समूहों से आच्छादित किया गया है और उनकी स्किल के अनुसार आय जनित गतिविधियों से जोड़ते हुए आजीविका संवर्धन का कार्य किया जा रहा है। इसी प्रकार राज्य सरकार मनरेगा के तहत ग्रामीण महिलाओं को उनके गांवों में ही रोजगार उपलब्ध कराकर आर्थिक रूप से मजबूत करने की दिशा में निरन्तर प्रयासरत है।

राज्यपाल ने गुजरात में मुख्यमंत्री रहते हुये अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि उन्होंने महिलाओं को उद्योग, व्यवसाय एवं स्वयं सहायता समूह स्थापित करने में आर्थिक सहायता एवं सहूलियतें प्रदान करने के उद्देश्य से जेन्डर बजट का प्रावधान किया था। इसके अन्तर्गत महिलाओं द्वारा संचालित दुग्ध मण्डियों हेतु स्वयं का सुविधायुक्त सेन्टर बनाने के लिये 300 स्कावयर यार्ड भूमि तथा मकान बनाने के लिये 5 लाख रुपये का लोन सहायता स्वरूप प्रदान करने के साथ मिलक सेन्टरों को 'ब्लक मिलक कूलर' और 'मिल्किंग मशीन' के लिये भी सहायता दी जाती थी। पूरे गुजरात में सखी मण्डलों की रचना की, जिसके माध्यम से महिलाओं को बैंकों के साथ जोड़कर सस्ती ब्याज दर पर ऋण दिलाकर खुद का कार्य शुरू करवाया।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि महिलाओं एवं गरीब लोगों की सहायता कर काम शुरू करवाने से उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। कोरोना के इस संकट में नारी शक्ति का मनोबल कम नहीं हुआ और उन्होंने यह सिद्ध कर दिया है कि वे कोई भी दायित्व अथवा कार्य करने में सक्षम हैं। लॉकडाउन के कारण हमारे उद्योग-धंधों एवं दिनचर्या पर जो प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, उससे पार पाने में कुछ वक्त जरूर लगेगा। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग एवं धैर्य से इस बुरे वक्त से शीघ्र ही देश उबर सकेगा।

इस अवसर पर कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बी०सी० भरतिया, महामंत्री श्री प्रवीण खंडेलवाल, कैट मध्य प्रदेश के अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र जैन, व्यपारीगण, महिला उद्यमी तथा अन्य महानुभाव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े हुए थे।

